Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 9

हिन्दी

क्षितिज (गद्य खंड)

अध्याय-5 : प्रेमचंद के फटे जूते (हरिशंकर परसाई)

भाग - 1

कुशाल सोलंकी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. लेखक परिचय
2. प्रेमचंद के फटे जूते

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

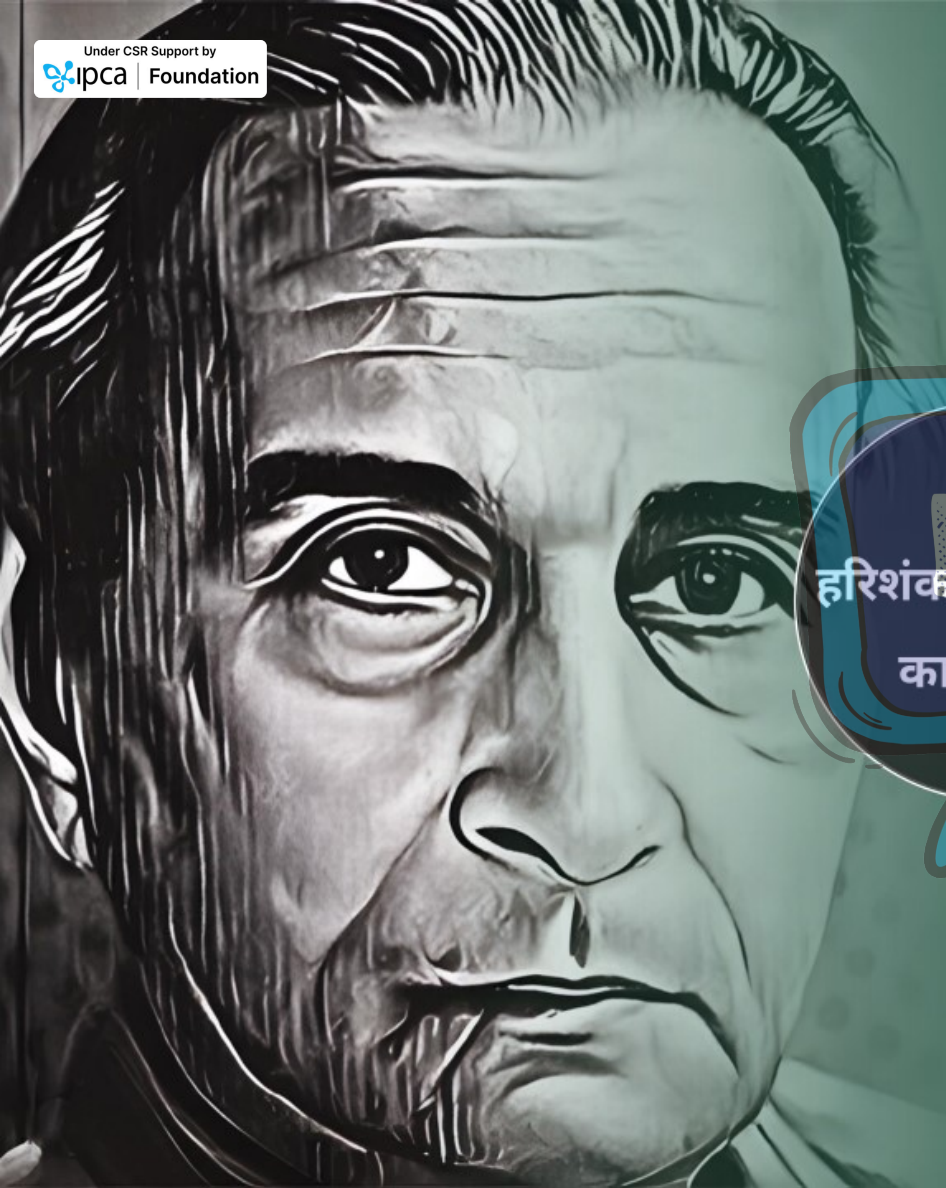

हरिशंकर परसाई जी का परिचय

1

जन्म : सन् 1922

2

जन्म स्थान : जमानी, होशंगाबाद ज़िले (मध्य प्रदेश)

3

निधन : 1995

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

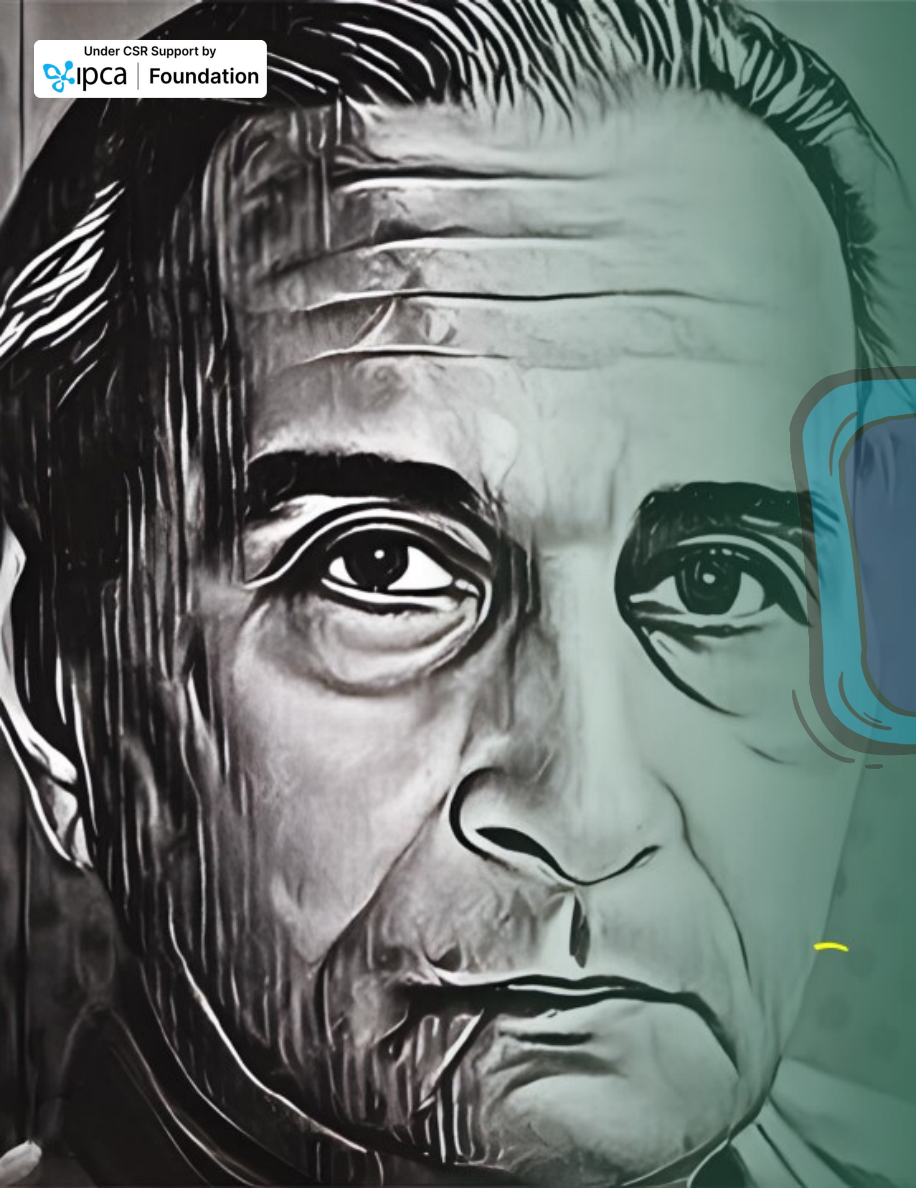

हरिशंकर परसाई जी की प्रमुख रचनाएँ

कहानी संग्रह

- हँसते हैं रोते हैं, जैसे उनके दिन फिरे

उपन्यास

- रानी नागफनी की कहानी, तट की खोज

व्यंग्य संग्रह

- वैष्णव की फिसलन, तिरछी रेखाएँ, ठिठुरता हुआ गणतंत्र, विकलांग श्रद्धा का दौर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

निबंध संग्रह

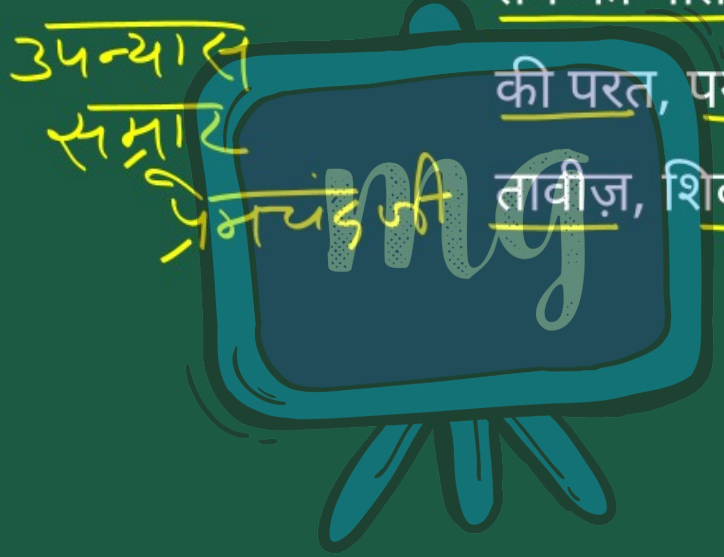

- तब की बात और थी, भूत के पाँव पीछे, बेईमानी की परत, पगडंडियों का ज़माना, सदाचार का तावीज़, शिकायत मुझे भी है, और अंत में

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



प्रेमचंद के फटे जूते

प्रेमचंद का एक चित्र मेरे सामने है, पत्नी के साथ फोटो खिंचा रहे हैं। सिर पर किसी मोटे कपड़े की टोपी, कुरता और धोती पहने हैं। कनपटी चिपकी है, गालों की हड्डियाँ उभर आई हैं, पर घनी मूँछें चेहरे को भरा-भरा बतलाती हैं। पाँवों में केनवस के जूते हैं, जिनके बंद बेतरतीब बँधे हैं।

बंद – फीता
बेतरतीब – अव्यवस्थित

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



लापरवाही से उपयोग करने पर बंद के सिरों पर की लोहे की पतरी निकल जाती है और छेदों में बंद डालने में परेशानी होती है। तब बंद कैसे भी कस लिए जाते हैं। दाहिने पाँव का जूता ठीक है, मगर बाएँ जूते में बड़ा छेद हो गया है जिसमें से अँगुली बाहर निकल आई है। मेरी दृष्टि इस जूते पर अटक गई है। सोचता हूँ-फोटो खिंचाने की अगर यह पोशाक है, तो पहनने की कैसी होगी?

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

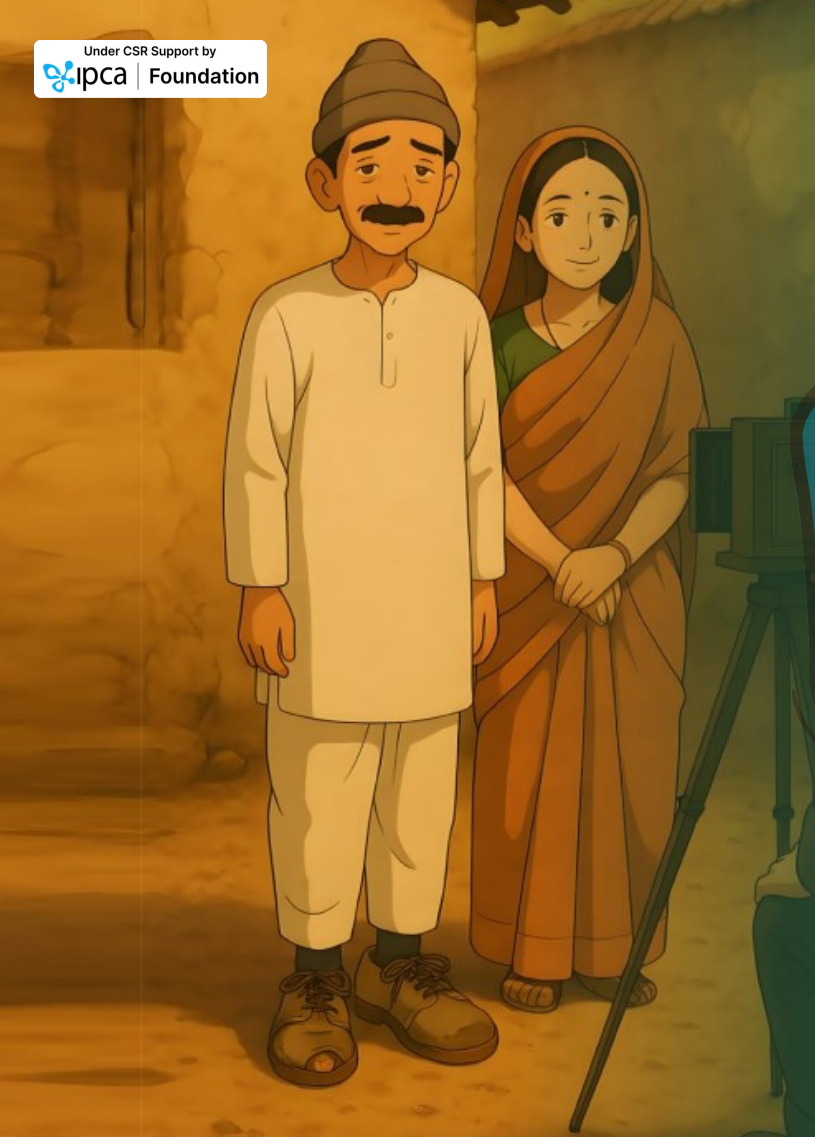

नहीं, इस आदमी की अलग-अलग पोशाकें नहीं होंगी-इसमें पोशाकें बदलने का गुण नहीं है। यह जैसा है, वैसा ही फोटो में खिंच जाता है।

मैं चेहरे की तरफ़ देखता हूँ। क्या तुम्हें मालूम है, मेरे साहित्यिक पुरखे कि तुम्हारा जूता फट गया है और अँगुली बाहर दिख रही है? क्या तुम्हें इसका ज़रा भी अहसास नहीं है? ज़रा लज्जा, संकोच या झेंप नहीं है? क्या तुम इतना भी नहीं जानते कि धोती को थोड़ा नीचे खींच लेने से अँगुली ढक सकती है?

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



मगर फिर भी तुम्हारे चेहरे पर बड़ी बेपरवाही, बड़ा विश्वास है! फोटोग्राफर ने जब 'रेडी-प्लीज़' कहा होगा, तब परंपरा के अनुसार तुमने मुसकान लाने की कोशिश की होगी, दर्द के गहरे कुएँ के तल में कहीं पड़ी मुसकान को धीरे-धीरे खींचकर ऊपर निकाल रहे होंगे कि बीच में ही 'क्लिक' करके फोटोग्राफर ने 'थैंक यू' कह दिया होगा। विचित्र है यह अधूरी मुसकान।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

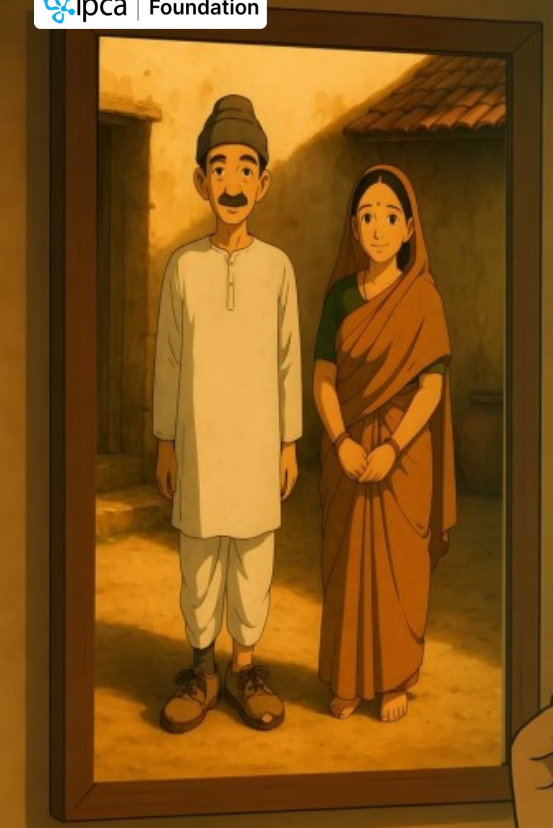

यह मुसकान नहीं, इसमें उपहास है, व्यंग्य है! यह कैसा आदमी है, जो खुद तो फटे जूते पहने फोटो खिंचा रहा है, पर किसी पर हँस भी रहा है! फोटो ही खिंचाना था, तो ठीक जूते पहन लेते, या न खिंचाते। फोटो न खिंचाने से क्या बिगड़ता था।

उपहास – खिल्ली उड़ाना, मज़ाक उड़ाने वाली हँसी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



शायद पत्नी का आग्रह रहा हो और तुम, 'अच्छा, चल भई' कहकर बैठ गए होंगे। मगर यह कितनी बड़ी 'ट्रेजडी' है कि आदमी के पास फोटो खिंचाने को भी जूता न हो। मैं तुम्हारी यह फोटो देखते-देखते, तुम्हारे क्लेश को अपने भीतर महसूस करके जैसे रो पड़ना चाहता हूँ, मगर तुम्हारी आँखों का यह तीखा दर्द भरा व्यंग्य मुझे एकदम रोक देता है।

आग्रह – पुन: पुन: निवेदन करना
क्लेश – दुख

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

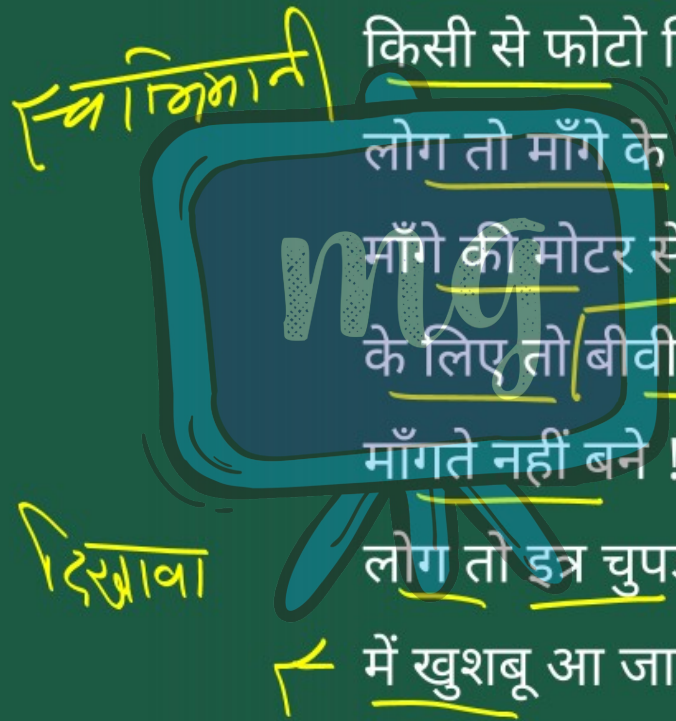

तुम फोटो का महत्व नहीं समझते। समझते होते, तो किसी से फोटो खिंचाने के लिए जूते माँग लेते। लोग तो माँगे के कोट से वर-दिखाई करते हैं। और माँगे की मोटर से बारात निकालते हैं। फोटो खिंचाने के लिए तो बीवी तक माँग ली जाती है, तुमसे जूते ही माँगते नहीं बने ! तुम फोटो का महत्व नहीं जानते। लोग तो इत्र चुपड़कर फोटो खिंचाते हैं जिससे फोटो में खुशबू आ जाए! गंदे-से-गंदे आदमी की फोटो भी खुशबू देती है!

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)

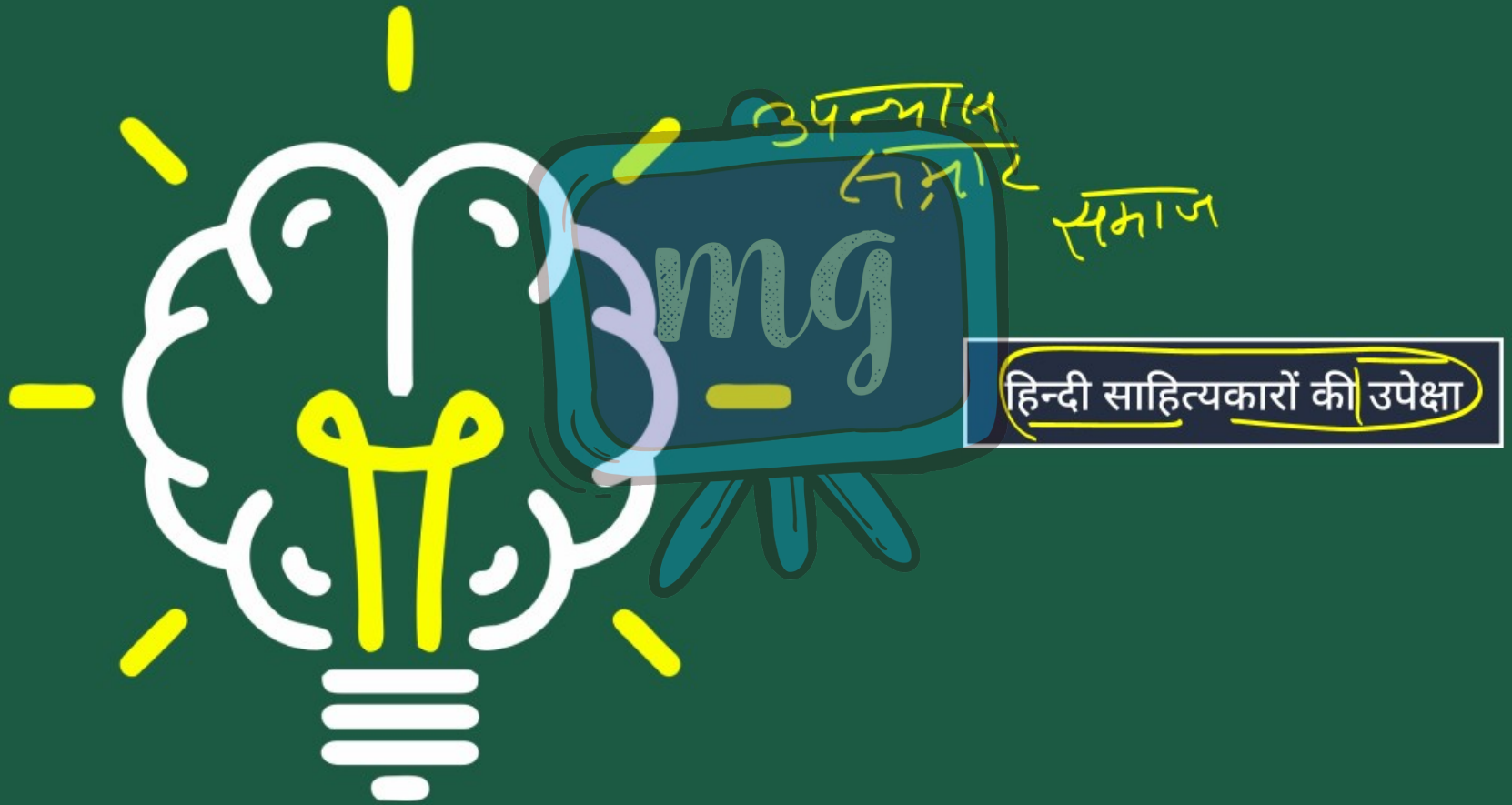

Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



बायाँ जूता

1 | जूते की किस विशेषता पर लेखक का ध्यान अटक गया?

अ जूते की नोक पर

ब चमक पर

स उसके फटे होने पर

द रूखेपन पर

मूल्यांकन (Assessment)



2 'फोटो भी खुशबू देती है' का आशय क्या है?

अ फोटो अत्यंत मनमोहक होती है।

ब लोग फोटो में खुशबू डालते हैं।

स फोटो से आजकल सुगंध निकलती है।

द फोटो में बनावटी सुंदरता होती है।

मूल्यांकन (Assessment)



3 'तुम फोटो का महत्व नहीं समझते' का आशय है–

अ तुम बनावटी व्यक्तित्व का महत्व नहीं मानते।

ब तुम फोटो नहीं खिंचवाते।

स तुम ढोंग नहीं करते।

द तुम फोटो में सादगी को महत्व देते हो।

मूल्यांकन (Assessment)



4 लोग इत्र लगाकर फोटो क्यों खिंचवाते हैं?

अ फोटो को सुंदर बनाने के लिए

ब फोटो में खुशबू लाने के लिए

स फोटो की कीमत बढ़ाने के लिए

द फोटो में खुश दिखने के लिए

मूल्यांकन (Assessment)



5 प्रेमचंद फोटो के लिए जूते क्यों नहीं माँग सके?

अ स्वाभिमान के कारण

ब सादगी के कारण

स अहंकार के कारण

द दिखावे के चक्कर में न होने के कारण